विश्व शांति, मानव जाति के कल्याण की कामना

परमहंस योगानंद की 125वीं जयंती रांची आश्रम समेत देश भर के 200 ध्यान केंद्रों में मनाई गई

सिटी रिपोर्टर | रांची

भारत में योगदा सत्संग सोसाइटी और अमेरिका में सेल्फ-रिलाइजेशन फेलोशिप के संस्थापक परमहंस योगानंद का 125वां जन्मोत्सव रांची समेत देश भर के 200 ध्यान केंद्रों में मनाया गया। रांची आश्रम में कार्यक्रम की शुरुआत ध्यान, प्राणायाम और भक्तिमय भजनों से हुई। आश्रम स्थित शिव मंदिर प्रांगण में गुरु पूजा की गई। भगवान शिव की पूजा के उपरांत परमहंस

योगानंद समेत योगदा के सभी गुरुओं की पूजा वैदिक विधि-विधान से की गई। सभी भक्तों की ओर से आश्रम के संन्यासियों ने शिव मंदिर प्रांगण में यज्ञ किया, जिसमें सबकी मंगल कामना की गई। यज्ञ वेदी में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष हवन किया गया, जिसमें आश्रम के संन्यासियों ने आहुति अर्पित कर विश्व शांति, संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के साथ-साथ उनके शारीरिक, मानसिक आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। यज्ञ और हवन के कार्यक्रम में 800 से अधिक श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इसके बाद आश्रम परिसर में भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। जगन्नाथपुर स्थित इंदिरा नगर कुष्ठ आवासीय परिसर में भी विशेष भंडारे का आयोजन किया गया।

योगदा आश्रम प्राचीन ध्यान, प्राणायाम व योग विशेषकर क्रिया योग के माध्यम से ईश्वर प्राप्ति व मानवता की सेवा की शिक्षा देता है।